संचय
SANCHAYA

रा ब सं
जनसेवा में 50 वर्षों से अधिक
NSI
Over 50 Years in Service of People

मासिक प्रकाशन | Monthly Publication

अक्तूबर 2007 (अंक 173) | October 2007 (Issue 173)

श्री अनिल भट्टाचार्य, निदेशक, राष्ट्रीय बचत संस्थान वित्त मंत्रालय, भारत सरकार वाशिंगटन (डी.सी.) में विश्व बचत बैंक संस्थान की आमसभा में विश्व बचत बैंक संस्थान की 15 वी आमसभा जो दिल्ली में जून 2008 में आयोजित होने जा रही है, के बारे में प्रतिनिधियों को जानकारी देते हुए।

भारत ने वाशिंगटन में विश्व बचत बैंक संस्थान की सामान्य सभा की बैठक में भाग लिया

श्री अनिल भट्टाचार्य निदेशक, राष्ट्रीय बचत संस्थान, वित्त मंत्रालय भारत सरकार और श्रीमती दक्षिता दास, निदेशक (बजट) वित्त मंत्रालय को वाशिंगटन डी.सी. (यू.एस.) मे 19 अक्तूबर 2007 को आयोजित विश्व बचत बैंक संस्थान की चौदहवी आम सभा और निदेशक मंडल की चौथी बैठक में भाग लेने के लिये वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने नामित किया।

इस बैठक का उद्देश्य विश्व बचत बैंक संस्थान के सदस्य देशों के बीच उनके आपसी सहयोग और लाभ के लिये संसाधनों को एकत्रित करने से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा करना था। विश्व बचत बैंक संस्थान सदस्य देशों के साथ सहयोगी के रूप में आपसी लाभ के लिए सेमिनार व कार्यशालाएँ आयोजित करता है तथा विश्व के तमाम बचत बैंकों के हित का प्रतिनिधित्व करता है ताकि बचतों को प्रोत्साहन व बचत के लिए आवश्यक सिद्धान्त व मूल्यों का सृजन हो सके। श्री अनिल भट्टाचार्य निदेशक राष्ट्रीय बचत संस्थान ने इस बैठक में विश्व बचत बैंक संस्थान की 15 वी आमसभा जो दिल्ली में जून 2008 में आयोजित होने जा रही है, के बारे में प्रतिनिधियों को जानकारी दी।

बैठक के अंत में मिस्टर एन्टोनियों जे.ए. लाविरियाटा, अध्यक्ष, विश्व बचत बैंक संस्थान ने यह जानकारी दी कि विश्व बचत बैंक संस्थान की पंदरहवी सामान्य सभा की बैठक जून 2008 में नई दिल्ली में होगी। उसमें पूरे विश्व के 109 देशों से 150 प्रतिनिधि भाग लेंगे।

राष्ट्रीय बचत संस्थान
NATIONAL SAVINGS INSTITUTE
http://nsiindia.gov.in.

राष्ट्रीय बचत संस्थान, सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स, सेमिनरी हिल्स, नागपुर National Savings Institute, CGO Complex, Seminary Hills, Nagpur

डा. ए. के. वालिया, माननीय वित्त मंत्री, दिल्ली सरकार, राष्ट्रीय बचत संस्थान द्वारा विश्व मितव्ययिता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में वर्ष 2006–07 के दौरान सबसे अधिक धन संग्रह करने के लिये श्री. डी.एस. सिकन्द, अल्प बचत अभिकर्ता को ट्राफी प्रदान करते हुये दिखाई दे रहे है। साथ ही (बायें से दायें) श्री वी.वी. भटट, आय.ए.एस. प्रमुख सचिव (वित्त एवं योजना) दिल्ली सरकार, श्री मीर अजमत अली, संयुक्त निदेशक, राष्ट्रीय बचत संस्थान दिल्ली भी दिखाई दे रहे है।

राष्ट्रीय बचत संस्थान ने पुरे देश में विश्व मितव्ययिता दिवस मनाया

राष्ट्रीय बचत संस्थान, राज्य सरकारों डाक विभाग एवं बचत संसाधन के संग्रहण में जुटी अन्य एजेंसीयों के निकट सहयोग से प्रतिवर्ष 30 अक्टूबर को विश्व मितव्ययिता दिवस मनाता है। इस वर्ष भी राष्ट्रीय बचत संस्थान ने पूरे देश में क्षेत्रीय निदेशकों के मुख्यालयों पर 30 अक्टूबर 2007 को मितव्ययिता दिवस मनाया गया। अन्य वित्तीय सघटनों जैसे भारतीय रिझर्व बैंक, राष्ट्रीयकृत बैंकों, भारतीय जीवन बीमा निगम, भारतीय यूनिट ट्रस्ट ने भी समारोह में भाग लिया। विश्व मितव्ययिता दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों में बचत करने की आदत को बढ़ावा देना एवं बचत आंदोलन के तहत अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ना है।

इस अवसर पर भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवि सिंह पाटिल, माननीय प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह, माननीय वित्त मंत्री श्री. पी. चिदम्बरम, माननीय वित्त राज्यमंत्री श्री पवनकुमार बंसल कि ओर से प्राप्त संदेशों को समारोह में पढ़कर सुनाया। विश्व मितव्ययिता दिवस के अवसर पर एक विशेष विज्ञापन देश के प्रमुख समाचार पत्रों में डी.ए.वी.पी. नई दिल्ली के माध्यम से राष्ट्रीय बचत संस्थान द्वारा प्रकाशित किया गया। विश्व मितव्ययिता दिवस के कार्यक्रमों को महत्त्वपूर्ण समाचार पत्रों एवं दूरदर्शन पर डी.ए.वी.पी. नई दिल्ली के माध्यम से रा.ब. संस्थान द्वारा व्यापक प्रचार प्रसार किया गया। विश्व बचत दिवस के कार्यक्रम को समस्त क्षेत्रीय केन्द्रों में प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया द्वारा प्रसारित किया गया।

डॉ. अविनाश वारजुकर, अध्यक्ष महाराष्ट्र राज्य खनिज निगम 30 अक्टूबर 2007 को नागपुर में विश्व मितव्ययिता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय बचत संस्थान नागपुर द्वारा आयोजित समारोह को संबोधित करते हुये दिखाई दे रहे है। साथ ही डा. कृष्णमूर्ति इसरो प्रमुख, श्री. एम. सिन्हा, उप महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, श्री अनिल भट्टाचार्य, निदेशक, राष्ट्रीय बचत संस्थान श्री सी.सी. मित्रा, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिझर्व बैंक, नागपुर श्री पदमसिंह, क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय बचत संस्थान नागपुर भी दिखाई दे रहे हैं।

विश्व मितव्ययिता दिवस संदेश

बचत पखवाड़े का आयोजन

31 अक्तूबर – 14 नवम्बर 2007

विश्व मितव्ययिता दिवस

30 अक्तूबर 2007

राष्ट्रीय बचत संस्थान
इस अवसर पर
लघु निवेशकर्ताओं और
उन्हें राष्ट्र निर्माण में भागीदार
बनाने के प्रति अपनी
वचनबद्धता दोहराता है।

राष्ट्रीय बचत संस्थान
वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
भारत सरकार, सी.जी.ओ. काम्पलेक्स,
सेमिनरी हिल्स, नागपुर – 440 006

राष्ट्रीय बचत संस्थान

राष्ट्रपति
भारत गणराज्य

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि 30 अक्तूबर 2007 को विश्व मितव्ययिता दिवस मनाया जा रहा है। विभिन्न लघु बचत योजनाओं के जरिए संसाधनों संग्रहण से न केवल समाज के सभी वर्गों में बचत और मितव्ययिता की आदत डालने में मदद मिलती है, बल्कि देश के आर्थिक विकास के लिए संसाधन जुटाने में भी योगदान होता है। विश्व मितव्ययिता दिवस के अवसर पर उन सभी संगठनों को शुभकामनाएं देती हूं, जो व्यापक जन समुदाय को सरकार की विभिन्न लघु बचत योजनाओं के माध्यम से संगठित वित्तीय प्रणाली में शामिल करते हुए उन्हें अधिकारिता प्रदान करने के प्रयासों में लगे हैं।

मैं विश्व मितव्ययिता दिवस समारोहों के सफल आयोजन की कामना करती हूँ।

(प्रतिभा देवीसिंह पाटिल)

प्रधानमंत्री

मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि ''विश्व मितव्ययिता दिवस'' 30 अक्तूबर, 2007 को मनाया जा रहा है। विश्व मितव्ययिता दिवस को समाज के सभी वर्गों के बीच मितव्ययिता की आदत को प्रोत्साहन देने के लिए और अधिक प्रयासों के साथ मनाया जाए। मितव्ययिता हमें और अधिक संतुलित होने तथा दुर्लभ संसाधनों के उपयोग के प्रति नियंत्रित होने का भाव सिखाती है। गांधी जी ने कहा था कि सादा जीवन और उच्च विचार एक बड़ा गुण है। मैं राष्ट्रीय बचत संस्थान तथा अन्य सभी एजेंसियों के लोगों के बीच बचत के महत्त्व को प्रोत्साहन देने और राष्ट्र निर्माण के महान लक्ष्य को पूरा करने में सहयोग देने के लिए बधाई देता हूं। विश्व मितव्ययिता दिवस से जुड़े समारोहों के सफल आयोजन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(मनमोहन सिंह)

वित्त मंत्री

विश्व मितव्ययिता दिवस 30 अक्तूबर 2007 को देशभर में मनाया जा रहा है। यह एक ऐसा मौका है, जो देश के सभी नागरिकों में बचत और मितव्ययिता की आदत को प्रोत्साहित करने के हमारे प्रयासों को मजबूती प्रदान करता है और उनके प्रति फिर से समर्पित होने के लिए प्रेरित करता है। इससे हमें इस तथ्य को समझने में सहायता मिलती है कि धन की बचत दीर्घावधि के निवेश के लिए संसाधन उपलब्ध कराती है, जिससे अर्थव्यवस्था को लाभ पहुँचता है तथा विकास में तेजी आती है। बृहत् स्तर पर बचत का निरंतर प्रवाह बनाए रखना टिकाऊ आर्थिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बचत के संग्रहण में लगी सभी एजेंसियों का यह प्रयास होना चाहिए कि बचत आंदोलन को देश के सुदूरतम कोनों, विशेषकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में पहुंचाया जाए, ताकि भारत सरकार की विभिन्न लघु बचत योजनाओं के बारे में जन जागरूकता बढ़े और निवेशकों की संख्या तथा संसाधन संग्रहण में बढ़ोतरी हो।

मैं इस अवसर पर संबद्ध एजेंसियों द्वारा शुरू की गयी सभी गतिविधियों की सफलता की कामना करता हूँ।

(पी. चिदम्बरम)

वित्त राज्य मंत्री

विश्व भर में बैंकिंग और लघु वित्त के अनुभवों से यह सिद्ध हुआ है कि आर्थिक विकास विशेषकर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश के लिए बचत की शक्ति अत्यंत महत्वपूर्ण है। बचत सामाजिक–आर्थिक दृष्टि से उपेक्षित लोगों को औपचारिक वित्तीय क्षेत्र के दायरे में लाने में भी सहायक है। बचत की प्रवृत्ति स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सामाजिक संगठन को स्वाभाविक रूप से प्रोत्साहित करती है, और इस प्रकार वह संभावित भावी लघु उद्यमशीलता का आधार तैयार करती है। इसलिए यह सभी नागरिकों और वित्तीय संस्थानों का दायित्व है कि वे वित्तीय जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से बचत को प्रोत्साहित करें, बचत के लिए आसान पहुंच की सुविधा मुहैया कराएं और अपनी समग्र कार्यनीति में लघु बचत को एकीकृत करें।

मुझे यह जानकर बेहद खुशी हुई है कि 30 अक्तूबर को देशभर में विश्व मितव्ययिता दिवस समारोह आयोजित किए जा रहे है। मुझे उम्मीद है कि इस अवसर का लाभ राष्ट्र के आर्थिक जीवन में बचत के महत्व को अधिक उजागर करने के लिए उठाया जा सकेगा।

(पवन कुमार बंसल)

अप्रैल से अगस्त 2007 के लिए अल्प बचत संग्रहण

(करोड रुपये)

क्र. सं.	क्षेत्र / राज्य	सकल	शुद्ध	सकल	शुद्ध
		अगस्त 2006 तक		अगस्त 2007 तक	
1.	आंध्र प्रदेश	3968.09	1324.83	3770.25	-182.39
2.	अरूणाचल प्रदेश	35.87	14.80	31.56	8.36
3.	असम	671.44	-231.76	666.90	-384.01
4.	अंदमान निकोबार द्वीप	10.00	5.02	9.71	1.04
5.	आर्मी पोस्ट ऑफीसेस	102.99	0.24	119.75	-40.80
6.	बिहार	2088.40	775.45	2382.03	371.60
7.	झारखंड	1002.39	476.40	773.56	-16.73
8.	चंडीगढ	169.06	-19.35	140.57	-97.13
9.	दमण एवं दीव	128.12	59.46	184.11	-120.56
10.	दिल्ली	2912.66	1051.51	1746.92	-820.83
11.	गोवा	189.78	94.87	136.76	0.09
12.	गुजरात	5707.65	1936.01	4900.29	-838.84
13.	हरियाणा	1996.13	480.92	1802.09	-257.06
14.	हिमाचल प्रदेश	942.50	285.88	990.30	18.96
15.	जम्मू व कश्मीर	596.71	177.80	624.97	-35.86
16.	कर्नाटक	2885.83	738.65	2051.94	-592.86
17.	केरल	2034.17	623.15	1593.80	-169.78
18.	लक्षद्वीप	1.01	0.77	0.60	0.07
19.	मध्य प्रदेश	1848.00	657.25	1626.67	-221.65
20.	छत्तीसगढ	602.38	247.69	570.59	-13.05
21.	महाराष्ट्र	6668.23	2205.73	5043.28	-774.48
22.	मणिपुर	36.84	5.62	26.19	-6.79
23.	मेघालय	69.98	1.64	62.72	-7.02
24.	मिझोरम	37.33	3.19	33.16	-3.58
25.	नागालैंड	19.51	7.37	12.45	-2.21
26.	उडीसा	1079.94	388.42	1050.39	17.41
27.	पांडीचेरी	49.27	5.58	38.07	-19.60
28.	पंजाब	3614.35	849.98	3394.71	-565.90
29.	राजस्थान	2813.54	550.02	2748.01	-720.62
30.	सिक्कीम	15.16	1.75	18.90	-8.90
31.	तमिलनाडू	4298.83	1509.00	3206.96	-583.20
32.	त्रिपूरा	165.54	58.68	159.08	-10.55
33.	उत्तर प्रदेश	5981.76	1969.43	6378.58	95.67
34.	उत्तरांचल	862.92	281.52	872.16	49.14
35.	पश्चिम बंगाल	7548.24	3148.81	6467.64	-135.76
	कुल	61154.62	19686.33	53653.68	-6067.82

टिप्पणी : डाक विभाग नई दिल्ली से प्राप्त प्रारंभिक आंकडे सामन्जस्य अधीन है । इन आंकडों में पी.पी.एफ. एवं एस सी एस एस (बैंक) संग्रह शामिल नहीं हैं ।

SHIVRAJ (D.G.P.S.) NAGPUR